

भज भोला भंडारी- जय भोला भंडारी
तेरी काशी कितना- प्यारा धाम है ॥२॥

बैठे भोले धूनी रमाये
सारे जग से न्यारे
तुम हो स्वामी सारे जग के
सब देवों को प्यारे
बनाते बिगड़े काम हैं

भज भोला.....

कितने भोले भरमासुर को
पल में सब दे डाला
तीनों लोक में भागे फिरते
पड़ा भगत से पाला
तभी लो औढ़रनाम है

भज भोला.....

तेरा धाम सुहाना लागे
सब के मन को भाये
पीढ़े-पीढ़े उनके फिरते
जो भी तुमको ध्याये
हाथ में विष का जाम है

भज भोला.....

हर मरघट में तेरा भोला
 सुन्दर रूप समाया
 सब देवों को चंदन टीका
 खुद ने भस्म रमाया
 तेरा न कोई दाम है

भज भोला----

बैठे बृष दे गौरी के संग
 कितने सुंदर लागें
 बड़े सलौने झंकर मेरे
 दर्शन से दुख भागें
 गौरा जी अंग बाम है

भज भोला----

हर जन्मों में मिलियो भोले
 विनली यही हमारी
 दास "श्री बाबा श्री" शरण में आये
 होड़ के दुनियाँ सारी
 खुशी में सुबह शाम है

भज भोला-----